भारत सरकार
नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4154
बुधवार, दिनांक 26 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने हेतु

<u>भू-तापीय ऊर्जा स्थल</u>

4154. श्री केसिनेनी शिवनाथः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने संपूर्ण देश में भू-तापीय स्थलों संबंधी कोई अध्ययन किया है;

(ख) यदि हां, तो राज्यवार और आंध्र प्रदेश के लिए जिलावार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार के पास संपूर्ण भारत में प्रस्तावित और निर्माणाधीन भू-तापीय विद्युत संयंत्रों के बारे में कोई आंकड़े हैं;

(घ) यदि हां, तो आंध्र प्रदेश सहित राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(ङ) संपूर्ण भारत में भू-तापीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए आवंटित और उपयोग की गई निधि का विशेषकर आंध्र प्रदेश सहित राज्यवार और वर्षवार ब्यौरा क्या है; और

(च) सरकार दवारा देश में और विशेषकर आंध्र प्रदेश में भू-तापीय ऊर्जा उत्पादन में निवेश को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा और विद्युत राज्य मंत्री
(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) और (ख): जी, हाँ। भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने विभिन्न मान्यता प्राप्त भूतापीय क्षेत्रों में भूतापीय ऊर्जा की खोज की है, जिसमें विभिन्न भूतापीय क्षेत्रों में तापमान, निर्वहन तथा जल की गुणवत्ता/रसायन संबंधी सूचनाओं का संग्रह शामिल है। जीएसआई ने पूरे भारत में 381 तापीय रूप से असामान्य क्षेत्रों का अध्ययन किया है तथा 'भारत का भूतापीय एटलस, 2022' शीर्षक के अंतर्गत एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। देश में लगभग 10,600 मेगावाट भूतापीय ऊर्जा की संभाव्यता का अनुमान लगाया गया है।

(ग) और (घ): सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले के मनुगुरु क्षेत्र में 20 किलोवाट का एक पायलट भूतापीय विद्युत संयंत्र चालू किया है। वर्तमान में आंध्र प्रदेश में कोई भूतापीय विद्युत संयंत्र प्रस्तावित या निर्माणाधीन नहीं है।

(ङ) मंत्रालय द्वारा अभी तक कोई निधियाँ आवंटित नहीं की गई हैं।

(च) मंत्रालय, आंध्र प्रदेश सहित देश में भूतापीय ऊर्जा सहित नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा के व्यापक अनुप्रयोगों के लिए कुशल और किफायती तरीके से स्वदेशी प्रौद्योगिकियों और विनिर्माण को विकसित करने के लिए विभिन्न अनुसंधान संस्थानों और उद्योग के माध्यम से "नवीकरणीय ऊर्जा अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम (आरई-आरटीडी)" को कार्यान्वित कर रहा है।

*****